आलस्य और अलबेलापन - 6

➢➢ किस किस को बाबा का पैगाम देना है ?

➳ _ ➳ गरीबो को

➳ _ ➳ दुनियावी ब्राह्मणों को

➳ _ ➳ दुकानदारों / साहूकारों को

➳ _ ➳ ट्रेन में आत्माओं को

➳ _ ➳ दुसरे धर्म की आत्माओं की

➳ _ ➳ मित्र सम्बन्धियों को

➳ _ ➳ शमशान घाट में

➳ _ ➳ मंदिरों / मस्जिद / चर्च में

➳ _ ➳ University / College में

➳ _ ➳ दुनियावी मेलों में

➢➢ माया किस किस रूप में आती है ?

➳ _ ➳ आलस्य / अलेबलापन / सुस्ती

➳ _ ➳ उदासी

➳ _ ➳ विशेषताओं का अभिमान

➳ _ ➳ रूठना / रूसना / मूड ऑफ / फीलिंग आना

➳ _ ➳ भय

➳ _ ➳ संशय / शक / अनुमान

➳ _ ➳ इच्छाएं

➳ _ ➳ इर्ष्या / द्वेष / घृणा

➳ _ ➳ किसी से प्रभावित होना

➢➢ तीव्र पुरुषार्थ के 2 मुख्य साधन

➳ _ ➳ कल करे सो आज कर, आज करे सो अब

➳ _ ➳ स्वयं को सदैव बिजी रखना

➢➢ 4 प्रकार के व्यक्ति

➳ _ ➳ शुद्र

→ जो सम्पूरण आलस और निंद्रा से भरा है

→ खाने / पीने / रहने के अलावा और कुछ नहीं चाहिए

➳ _ ➳ वैश्य

→ वैश्या शब्द से जुड़ा है वैश्य शब्द

→ जहाँ धन ही धर्म है , चाहे कुछ भी चले जाए

➳ _ ➳ शत्रिय

→ *मैं ही सब कर सकता हूँ ...*

→ अहंकार से भरपूर

➳ _ ➳ ब्राह्मण

→ सत्य की खोज

→ संसार व्यर्थ है